होशियार, यह समाजवादी अस्पताल है। नवजातों की मौत का फरमान यहीं जारी होता है

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 30 October 2016 13:50

: रात भर बेहाल रहे पत्रकार, मगर बच्चे को बचाया नहीं जा सका : नर्स ने कराया प्रसव, डॉक्टर यहां कहां रहते हैं : कहीं हजारों की मांग की तो कहीं भारी भीड़ का बहाना : नवजात की लाश गोद में लिये सड़क पर भटकते रही गुड़िया और मोबीन : मेरी बिटिया डॉट कॉम करेगाा पत्रकार राजकुमार सिंह, मो अब्बास व राहुल संजीव सिंह के हौसलों पर सम्मान :

कुमार सौवीर

लखनऊ : जौनपुर में बदलापुर एक कस्बा शहर है। यहां सरकारी अस्पताल भी है, लेकिन यहां रात में कोई भी डॉक्टर नहीं रहता। दिन में भी सिर्फ एकाध डॉक्टर ही आते हैं, कभी-कभार। सारा अस्पताल केवल फार्मासिस्ट, नर्स और वार्ड-ब्वाय के बल पर। पिछले 25 को यही हुआ। दर्द से चिल्लाती गुड़िया को लेकर उसका पति मोबीन दूर राजापुर के भोगीपुर गांव से आया। रात का वक्त रहा होगा करीब नौ बजे। मौजूद नर्स ने अंधेरे में गुड़िया का प्रसव कराया। लेकिन कुछ देर बाद ही नर्स ने हाथ खड़े कर दिये कि बच्चे की सांस टूट रही है। उसका कहना था कि प्रसव के बाद वह बच्चा तनिक भी नहीं रोया, जो किसी बच्चे के जन्म के तत्काल होना चाहिए। नर्स ने मोबीन से कहा कि फौरन जिला अस्पताल ले जाओ।

मोबीन के होश फाख्ता हो गये। मामूली मजूरी करने वाले मोबीन के पास इतना ही नहीं था। वह अस्पताल के गेट पर ही दहाड़े मार कर रोने लगा।

गनीमत रही कि अस्पताल में अपने मित्र के एक परिजन संतोष दुबे का हालचाल लेने दैनिक आज के संवाददाता संजीव सिंह परिसर में खड़े थे। मोबिन के सारी बात को बताने के बाद संजीव सिंह अपनी कार से बच्चे को साथ लेकर अनमोल चिल्ड्रन केयर के डॉक्टर को दिखाया। डॉ ने कहा कि उनके पास वेंटिलेटर की सुविधा नहीं है। बच्चे को तत्काल डॉ तेज सिंह के यहाँ ले जाये। देर बेहद होती देख कर संजीव सिंह अपनी कार में रात में करीब 12 बजे डॉ तेज सिंह के यहाँ पहुँच गए।

इन पत्रकारों के साथ मोबिन ने वहाँ उपस्थित जूनियर डॉ को बच्चे को वेंटिलेटर पर रखने के लिए भर्ती करने को कहा। जिस पर वहां के स्टाफ ने वेंटिलेटर खाली न होंने की मजबूरी बतायी। आनन-फानन में मोबिन वहाँ के स्टाफ के बताये अनुसार जेसिस पर स्थित डॉ. अरविन्द के पास ले गए। वहाँ पर उपस्थित स्टाफ ने 6500 रूपये वेंटीलेटर का चार्ज बताया। मोबिन ने फिर पत्रकार संजीव सिंह से बात की। और इतना रुपया न होने की असमर्थता जतायी। संजीव सिंह ने वहाँ के स्टाफ से पैरवी करते हुऐ कहा कि गरीब है अभी तत्काल इतने रकम नही दे सकता। सुबह मैं पैसे की व्यवस्था करके आऊंगा। फिलहाल किसी तरह 4000रूपये जमा करवा दिया गया।

1 / 2

होशियार , यह समाजवादी अस्पताल है। नवजातों की मौत का फरमान यहीं जारी होता है

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 30 October 2016 13:50

[illegible]

[illegible]

2 / 2